

[This question paper contains 8 printed pages.]

7985

Your Roll No. ....

आपका अनुक्रमांक .....

LL.B./VI Term

ES

Paper LB-601 – PROFESSIONAL ETHICS, PLEADINGS,  
CONVEYANCING AND MOOT COURTS

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित  
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Five** questions in all selecting  
at least **one** question from each Part.

All questions carry equal marks.

प्रत्येक भाग से कम-से-कम एक प्रश्न चुनते हुए

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

## PART A (भाग अ)

1. "Court and counsel are the two wheels of chariot of justice. In the adversarial system, it will be more appropriate to say that while the judge holds the reigns, the two opponent counsels are the wheels of chariot, while the direction of the movement is controlled by the judge holding the reign, the movement itself is felicitated by the wheels without which the chariot of justice may not move and may even collapse." Discuss this statement in the light of the statutory Duties of an Advocate to his Client, to the Court, to the Opponent and the decision of the Supreme Court in 'D.P. Chadha vs. T.N. Mishra, (2001)2 SCC 221. (20)

“न्यायालय और काउन्सेल न्याय के रथ के दो पहिये हैं। विरोधात्मक प्रणाली में, यह कहना अधिक समीचीन होगा कि जहां न्यायाधीश के हाथ में लगाम है, दो विरोधी काउन्सेल रथ के पहिये हैं, जहां गति की दिशा लगाम थाम रहे न्यायाधीश द्वारा नियंत्रित की जाती है, गति को पहियों द्वारा साधा जाता है जिसके बिना हो सकता है कि न्याय का रथ आगे न बढ़े तथा गिर भी पड़े।” इस कथन का विवेचन अधिवक्ता की अपने मुवक्किल के प्रति, न्यायालय के प्रति, विरोधी के प्रति कानूनी कर्तव्यों को और *डी. पी. चड्ढा बनाम टी. एन. मिश्रा (2001)2 एस सी सी 221* में उच्चतम न्यायालय के विनिश्चय को ध्यान में रखते हुए कीजिए।

2. (a) Whether an Advocate has a lien on the files entrusted to him by the client ? Discuss the law laid by the Supreme Court in this regard. (10)
- (b) If an Advocate is punished for the Contempt of Court, then in what manner he can purge himself of such Contempt ? (10)
- (क) क्या अधिवक्ता का मुवक्किल द्वारा उसको सौंपी गई फाइलों पर धारणाधिकार होता है ? इस बारे में उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिकथित विधि का विवेचन कीजिए ।
- (ख) यदि कोई अधिवक्ता न्यायालय के अवमान हेतु दंडित किया जाता है तब वह ऐसे अवमान से किस रीति से निर्दोष साबित हो सकता है ।

### PART B (भाग ब)

3. Shyam Sunder enters into an Agreement to sell with Smt. Itwari Devi for purchase of a house belonging to Smt. Itwari Devi and sale deed was to be executed within six months of Agreement to Sell. Further Rupees Two lakhs have been paid by Shyam Sunder at the time of Agreement to Sell as earnest money. But after two months Shyam Sunder came to know that Smt. Itwari Devi is planning to sell the same house to some third party. Draft a Plaint/suit for specific performance and injunction. (20)

P.T.O.

श्याम सुन्दर श्रीमती इतवारी देवी के मकान के क्रय हेतु श्रीमती इतवारी देवी के साथ विक्रय हेतु करार करता है तथा विक्रय-विलेख को विक्रय हेतु करार के छह मास के अन्दर निष्पादित किया जाना था। इसके अतिरिक्त श्याम सुन्दर ने 2 लाख रुपए विक्रय हेतु करार के समय बतौर बयाना राशि अदा कर दिए हैं। किन्तु दो मास बाद श्यामसुन्दर को जानकारी मिली कि श्रीमती इतवारी देवी उसी मकान को किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करने की योजना बना रही है। विनिर्दिष्ट पालन और व्यादेश हेतु वादपत्र/वाद तैयार कीजिए।

4. Neetu and Amrit Singh got married in the year 2008 according to sikh rites and ceremonies. In the year 2010 a female child was born out of the said wedlock named Sukhi, Thereafter they got separated from each other and could not resolve their differences. Now both of them approaches you as an advocate for getting a Divorce. Accordingly draft a petition for Divorce by Mutual consent for them. (20)

नीतू और अमृतसिंह वर्ष 2008 में सिख रीति रिवाजों के अनुसार विवाह सूत्र में बंध गए। वर्ष 2010 में उसी विवाह से सुखी नामक कन्या उत्पन्न हुई। तत्पश्चात् वे एक दूसरे से पृथक हो गए तथा अपनी दूरियों को नहीं मिटा सके। अब वे दोनों आपके पास अधिवक्ता के रूप में विवाह-विच्छेद कराने के लिए आते हैं। उनकी ओर से परस्पर सम्मति द्वारा विवाह-विच्छेद की याचिका तदनुसार तैयार कीजिए।

5. (a) Shiney is apprehending arrest on the basis of an FIR registered against him by his wife under section 498A/506 of Indian Penal Code. Draft an appropriate Bail application for Shiney. (10)

(b) Draft an application for claiming maintenance under section 125 Cr.P.C on behalf of Sanya and her minor child from her husband Shiney. (20)

(क) शिनी भारतीय दंड संहिता की धारा 498A/506 के अन्तर्गत उसकी पत्नी द्वारा उसके विरुद्ध रजिस्ट्रीकृत प्रथम इत्तिला रिपोर्ट के आधार पर गिरफ्तारी की आशंका से ग्रस्त है। शिनी हेतु समुचित जमानत अर्जी तैयार कीजिए।

(ख) सानया और उसके अवयस्क शिशु की ओर से दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अन्तर्गत उसके पति शिनी से भरण-पोषण की मांग करते हुए अर्जी तैयार कीजिए।

### PART C (भाग स)

6. Mr. Aditya Kapoor owns various assets regarding which he wants to make testamentary succession by way of Will. He is the owner of three houses in different parts of Delhi i.e. in Kamla Nagar, Defence

Colony and Rohini respectively which he wants to give to his three daughters. He also owns one flat in Connought Place which he wants to give to his wife Kamyra for life and thereafter absolutely to his grand daughter Alia. He also has certain agricultural land in Ghaziabad which he wants to give to his brother Siddharth. He also has Rupees ten Lakhs in fixed deposit in the bank which he wants to give to his wife. Accordingly draft a Will distributing all his assets as per his wishes. (20)

मिस्टर आदित्य कपूर विभिन्न आस्तियों का स्वामी है जिनके बारे में वह विल के जरिये वसीयती उत्तराधिकार देना चाहता है। वह दिल्ली के विभिन्न भागों में तीन मकानों का स्वामी है - क्रमशः कमला नगर, डिफेंस कॉलोनी और रोहिणी जिन्हें वह अपनी तीन पुत्रियों को देना चाहता है। वह कनाट प्लेस में भी एक फ्लैट का स्वामी है जिसको वह जीवन भर के लिए अपनी पत्नी काम्या को और तत्पश्चात् आत्यंतिक रूप से अपनी दौहित्री आलिया को देना चाहता है। वह गाजियाबाद में भी कतिपय कृषि भूमि का स्वामी है जिसको वह अपने भाई सिद्धार्थ को देना चाहता है। उसके बैंक में दस लाख रुपए सावधिक जमा राशि के रूप में है जिनको वह अपनी पत्नी को देना चाहता है। तदनुसार उसकी समस्त आस्तियों को उसकी इच्छा के अनुसार संवितरित करते हुए एक विल तैयार कीजिए।

7. A agrees to give on rent ground floor of his property situated at Satya Niketan to B for a monthly rent of Rupees twenty five thousand, for residential purposes for a period of three years on express conditions of maintaining the property, allowing subletting. Draft a Lease Deed containing all the essential conditions for the lease. (20)

A सत्यनिकेतन में स्थित अपनी सम्पत्ति के भूतल को तीन वर्ष की अवधि हेतु निवासीय प्रयोजन हेतु 25000 रुपए के मासिक किराये पर B को किराये पर देने के लिए सम्पत्ति का अनुरक्षण करने, उपकिराये पर देने की व्यक्त शर्त पर राजी हो जाता है। पट्टा हेतु सभी आवश्यक शर्तों का समावेश करते हुए एक पट्टा विलेख तैयार कीजिए।

8. (a) X is leaving the country for 10 years but he has filed a suit against Y for possession of a property, which is pending in the Delhi High Court. Draft a Special Power of Attorney on behalf of X in favour of Z for the said purposes. (10)
- (b) Draft a Notice under section 80 of the Civil Procedure Code. (10)

(क) X दस वर्ष के लिए देश को छोड़ रहा है किन्तु उसने सम्पत्ति के कब्जे हेतु Y के विरुद्ध वाद फाइल कर रखा है जो दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित है। X की ओर से उक्त प्रयोजन हेतु Z के पक्ष में स्पेशल पावर ऑफ अटर्नी का प्रारूप तैयार कीजिए।

(ख) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 80 के अन्तर्गत नोटिस का प्रारूप तैयार कीजिए।